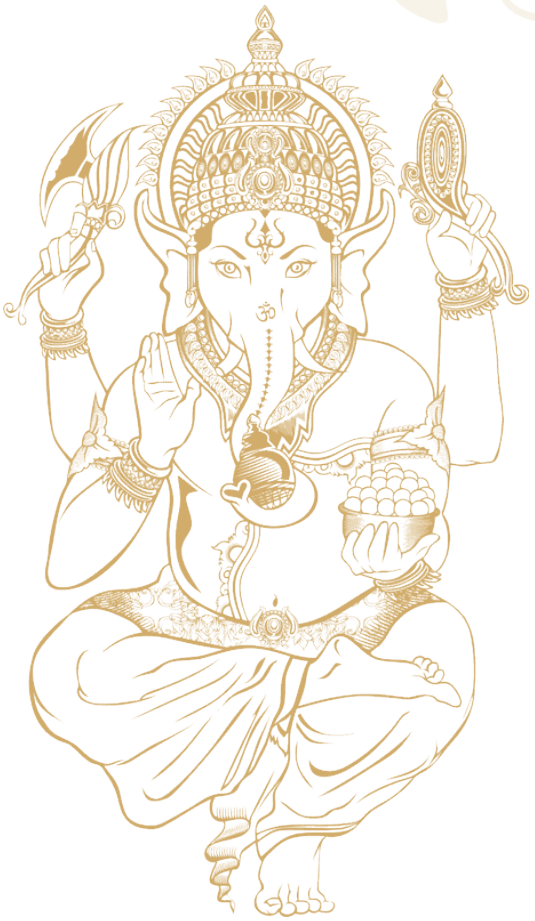

17 May 1962

07:20 AM

Rewari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121260503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/05/1962**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**07:20:00 घंटे**
इष्ट	04:27:20 घटी
स्थान	**Rewari**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:11:00 उत्तर
रेखांश	76:37:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:56:28 घंटे
वेलान्तर	00:03:42 घंटे
साम्पातिक काल	22:33:38 घंटे
सूर्योदय	05:33:03 घंटे
सूर्यास्त	19:07:07 घंटे
दिनमान	13:34:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	02:21:52 वृष
लग्न के अंश	29:02:43 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्यतिपात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:02:43	343:49:45	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			वृष	02:21:52	00:57:48	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	03:09:20	12:14:07	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			मीन	27:41:22	00:45:31	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
बुध			वृष	23:38:47	00:44:02	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	16:06:43	00:07:58	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			वृष	29:23:03	01:12:33	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	स्वराशि
शनि			मक	18:03:04	00:00:29	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		कर्क	18:59:51	00:11:18	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	18:59:51	00:11:18	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			सिंह	03:08:20	00:00:41	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	---
नेप	व		तुला	18:25:16	00:01:34	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
प्लूटो	व		सिंह	14:11:41	00:00:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	13:19:51	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:39

लग्न-चलित

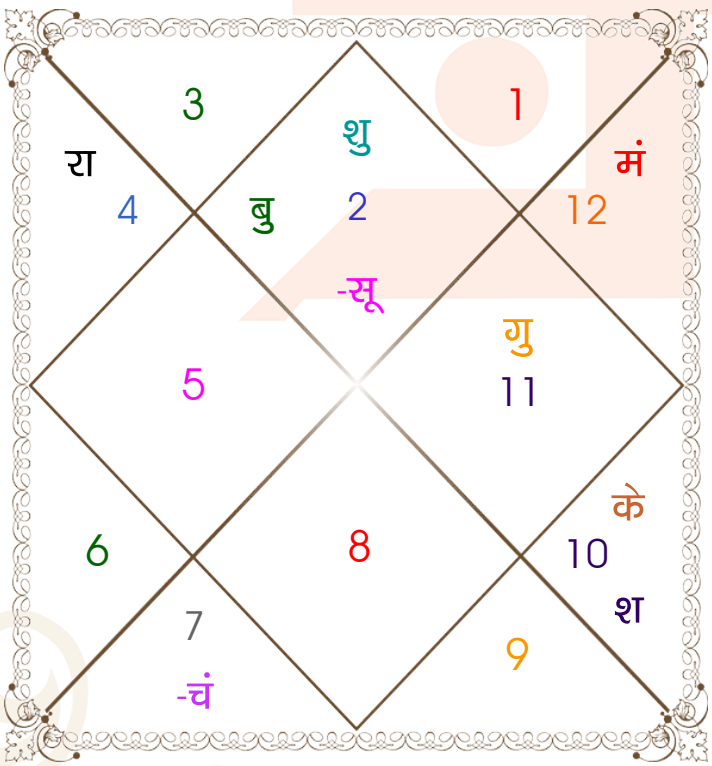

चन्द्र कुंडली

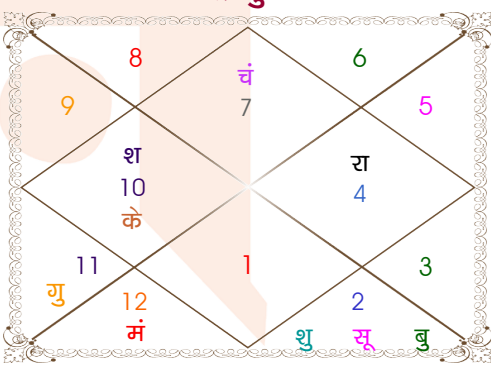

नवमांश कुंडली

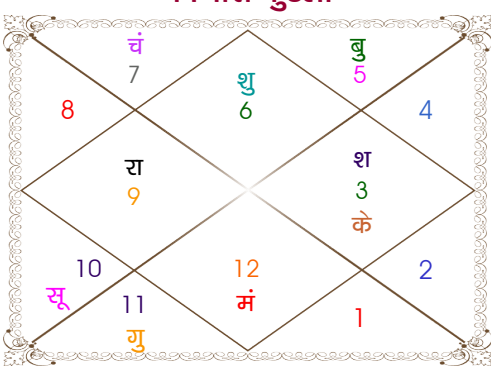

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 10 मास 3 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/05/1962		20/03/1964		21/03/1982		21/03/1998		20/03/2017	
20/03/1964		21/03/1982		21/03/1998		20/03/2017		21/03/2034	
	00/00/0000	राहु	01/12/1966	गुरु	08/05/1984	शनि	23/03/2001	बुध	17/08/2019
	00/00/0000	गुरु	26/04/1969	शनि	19/11/1986	बुध	01/12/2003	केतु	13/08/2020
	00/00/0000	शनि	02/03/1972	बुध	24/02/1989	केतु	09/01/2005	शुक्र	14/06/2023
	00/00/0000	बुध	19/09/1974	केतु	31/01/1990	शुक्र	11/03/2008	सूर्य	19/04/2024
	00/00/0000	केतु	08/10/1975	शुक्र	01/10/1992	सूर्य	21/02/2009	चंद्र	19/09/2025
	17/05/1962	शुक्र	07/10/1978	सूर्य	20/07/1993	चंद्र	22/09/2010	मंगल	16/09/2026
शुक्र	14/04/1963	सूर्य	01/09/1979	चंद्र	19/11/1994	मंगल	01/11/2011	राहु	05/04/2029
सूर्य	20/08/1963	चंद्र	02/03/1981	मंगल	26/10/1995	राहु	07/09/2014	गुरु	11/07/2031
चंद्र	20/03/1964	मंगल	21/03/1982	राहु	21/03/1998	गुरु	20/03/2017	शनि	21/03/2034

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/03/2034		20/03/2041		20/03/2061		21/03/2067		20/03/2077	
20/03/2041		20/03/2061		21/03/2067		20/03/2077		00/00/0000	
केतु	17/08/2034	शुक्र	20/07/2044	सूर्य	08/07/2061	चंद्र	19/01/2068	मंगल	16/08/2077
शुक्र	17/10/2035	सूर्य	20/07/2045	चंद्र	07/01/2062	मंगल	19/08/2068	राहु	04/09/2078
सूर्य	22/02/2036	चंद्र	21/03/2047	मंगल	14/05/2062	राहु	18/02/2070	गुरु	11/08/2079
चंद्र	22/09/2036	मंगल	20/05/2048	राहु	08/04/2063	गुरु	20/06/2071	शनि	19/09/2080
मंगल	18/02/2037	राहु	21/05/2051	गुरु	25/01/2064	शनि	18/01/2073	बुध	16/09/2081
राहु	08/03/2038	गुरु	19/01/2054	शनि	06/01/2065	बुध	20/06/2074	केतु	12/02/2082
गुरु	12/02/2039	शनि	20/03/2057	बुध	13/11/2065	केतु	19/01/2075	शुक्र	17/05/2082
शनि	23/03/2040	बुध	19/01/2060	केतु	21/03/2066	शुक्र	19/09/2076		00/00/0000
बुध	20/03/2041	केतु	20/03/2061	शुक्र	21/03/2067	सूर्य	20/03/2077		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 9 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।